बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

वृहस्पतिवार, तिथि ५ अक्टूबर १९६१ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में वृहस्पतिवार, तिथि ५ अक्टूबर, १९६१ को पूर्वाह्न ११ बजे सभापति श्री राम नारायण मंडल के सभापतित्व में हुआ ।

श्री जव्वार हुसैन—महाशय, मैं द्वितीय बिहार विधान-सभा के प्रथम सत्र के २५ अनागत तारांकित प्रश्नों का उत्तर सदन की मेज पर रखता हूं । शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे ।

सूची ।

क्रम संख्या ।	सदस्यों का नाम ।	प्रश्नों की संख्या ।
१	श्री जयनारायण झा 'विनीत'	१९३ ।
२	श्री सुखदेव मांझी	३३३, ३३४, ५२२ ।
३	श्री शिवनन्दन राम	३४४ ।
४	श्री जनक सिंह	३७६, ६६५ ।
५	श्री सभापति सिंह	३९३, ७९२ ।
६	श्री कपिलदेव सिंह	४९५, ६९४ ।
७	श्री चन्दू राम	५१७ ।
८	श्री कर्पूरी ठाकुर	५२८ ।
९	श्री शुभनाथ देवगम	५३१ ।

(२) यदि उक्त खंड का उत्तर "हां" में है तो सरकार उपर्युक्त १५ योजनाओं में फिलहाल किन-किन योजनाओं को इस वर्ष कार्यान्वित कराने का विचार करती है और किनके द्वारा एवं इसके लिये कितने-कितने रुपये स्वीकृत हुए हैं ?

श्री बीरचन्द पटेल—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) इन योजनाओं में से क्रम संख्या १ एवं २ का इस वर्ष अनुसंधान करने की व्यवस्था की गई है। उसके पश्चात् लाभप्रद प्रमाणित होने पर ही सरकार की स्वीकृति प्राप्त करने के लिये कार्रवाई की जायेगी। अभी रुपये की स्वीकृति का प्रश्न ही नहीं उठता है।

होमियोपैथिक कॉलेज खोलने का प्रश्न।

१६३८। श्री राधा नन्दन झा—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सरकार ने गुलजारबाग (पटना सिटी) में होमियोपैथिक कॉलेज खोलने का निश्चय किया है;

(२) यदि हां, तो प्रस्तावित कॉलेज कबतक खुलने की संभावना है?

श्री बीरचन्द पटेल—(१) तथा (२) इस स्थान पर सरकारी होमियोपैथिक कॉलेज खोलने तथा उसके लिये भवन निर्माण का प्रश्न अभी सरकार के विचाराधीन है।

कुष्ठ रोगियों को मुफ्त इलाज।

१६३९। श्री कर्पूरी ठाकुर—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के बारिसनगर थानान्तर्गत इलमास नगर गांव में जो मुसहरों का टोला है उसमें लग-भग आठ-दस व्यक्तियों को कुष्ठ की बीमारी हो गई है;

(२) क्या यह बात सही है कि वे निर्धन हैं और उक्त रोग की चिकित्सा कराने में स्वयं असमर्थ हैं;

(३) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो गरीबों के उस टोले में रोगियों की इलाज तथा बीमारी फैलने की प्रक्रिया को रोकने के लिए सरकार अबतक कौन-सी कार्रवाई करने का विचार करती है?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) यह बात सत्य है।

(२) मुसहर लोग प्रायः निर्धन होते हैं। पर यह कहना कठिन है कि वे चिकित्सा कराने में असमर्थ हैं।

(३) हजारीबाग में सरकारी अस्पताल और प्रखंड का भी अस्पताल है। प्रत्येक अस्पताल और प्रखंड को आदेश दिया जा चुका है कि वे कुष्ठ के रोगियों का अन्य रोगियों की तरह मुफ्त इलाज करें और उन कुष्ठ रोगियों को चाहिये कि उन जगहों पर अपना इलाज करवावें। बीमारी को फैलने से रोकने के लिये जो स्वस्थ्य व्यक्ति सेनसेटीव हैं उनको बी० सी० जी० का टीका दिया जाता है।

मेडिकल ऑफिसर के विरुद्ध शिकायत।

1644. Shri IGNES KUJUR : Will the Minister, Health Department, be pleased to state—

(1) whether it is a fact that public complaint was filed against the Medical Officer Shri Mazhar of Ichak Block, Hazaribagh district, to the Civil Surgeon, Hazaribagh, Deputy Minister, Community Development and District Magistrate, Hazaribagh;

(2) whether it is a fact that the Civil Surgeon inquired into the matter and reported to the District Magistrate, Hazaribagh that the Medical Officer drables in local Politics and it was resolved in the District Development Committee Meeting that he should be immediately transferred from that place, if so, what steps taken into the matter so far?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) इचाक ब्लॉक के डॉक्टर के विरुद्ध पब्लिक द्वारा कोई शिकायत नहीं है परन्तु एक श्री चुरामन महतो ने यह आरोप लगाया था कि इचाक ब्लॉक के डॉक्टर ने उनसे उनकी पत्नी को देखने के लिये ४० रु० लिया।

(२) असैनिक शल्य चिकित्सक, हजारीबाग का प्रतिवेदन अभी सरकार के विचाराधीन है। डॉक्टर मजहर को इचाक ब्लॉक से बदली का आदेश प्रेषित कर दिया गया है। ऐसा कुछ प्रस्ताव किया था इसकी सूचना सरकार को नहीं है।

अस्पताल को अपना भवन नहीं।

१६४६। श्री रसिक लाल यादव—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत फुलपरास थाने के प्रोभिंशियलाइज्ड हॉस्पीटल, फुलपरास को अपना भवन नहीं है;